फैटी लिवर के कारण हुआ लिवर फेलियर, सनर इंटरनेशनल हॉस्पिटल्स में हुआ सफल लिवर ट्रांसप्लांट

लिवर ट्रांसप्लांट के सबसे अग्रणी कारकों में फैटी लिवर सबसे आगे

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। 53 वर्षीय मनोज कुमार गाज़ियाबाद के रहने वाले हैं. वे एक लम्बे समय से लगातार काले मल, फेफड़ों में पानी जमा होना, पैरों में सूजन, लगातार बढ़ता पीलिया आदि जैसे लक्षणों से परेशान थे, जिनकी जांच के लिए वे सनर इंटरनेशनल हॉसपिटल्स आये. यहाँ शुरुवाती जांच के बाद पता चला कि मनोज जी को लिवर सिरोसिस की समस्या है. बताये गये इन लक्षणों के कारण मनोज जी के जीवन के सभी आयाम प्रभावित हो रहे थे. दरअसल मनोज जी के लिवर में लगातार फैट जमा हो रहा था, और लंबे समय तक उन्हें इसके लक्षण महसूस भी नहीं हुए. परिणामस्वरुप लिवर फेलियर की स्थिति बन गई. सनर इंटरनेशनल हॉसपिटल्स में उनकी सभी ज़रूरी जांच करने के बाद पता चला कि लिवर ट्रांसप्लांट एकमात्र समाधान है. मनोज जी व उनके परिवार के सदस्यों से इस संदर्भ में बातचीत की गई. हालाँकि उनके कई परिजनों ने लिवर दान करने की इच्छा ज़ाहिर की, लेकिन कोई सदस्य मैचिंग डोनर नहीं पाया, और उनकी भाभी (छोटे भाई की पत्नी) श्रीमति रंजना रानी जी ने डोनर के रूप में उन्हें अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने का फैसला किया. ऑपरेशन सफल रहा, पूरे परिवार ने सनर इंटरनेशनल हॉसपिटल्स को विशेष धन्यवाद दिया.

डॉक्टर अंकुर गर्ग, एच.ओ.डी. एंड सीनियर कंसल्टेंट, एचपीबी सर्जरी एंड लिवर ट्रांसप्लांट, सनर इंटरनेशनल हॉसपिटल्स, गुरुग्राम बताते हैं, बीते कुछ दशकों में, फैटी लिवर के आंकड़े पहले से कुछ ज्यादा देखने को मिल रहे हैं, जबकि यह एक ऐसी स्थिति है जिसकी रोकथाम बहुत से चरणों में संभव है. साथ ही अभी के दौर में फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस व लिवर फेलियर के मूल कारक के रूप में उभर रहा है. हम सभी को हर स्तर पर सतर्क रहने की आवश्यकता है. किसी भी लक्षण को नज़रअंदाज़ न करें क्योंकि बचाव व इलाज ही समाधान की दिशा तय रकते हैं.

लिवर ट्रांसप्लांट के सफल परिणामों पर प्रकाश डालते हुए डॉक्टर अंकुर गर्ग ने बताया. लिवर फेलियर की स्थिति में लिवर ट्रांसप्लांट एक सफल इलाज है. आधुनिक तकनीक व हमारे देश के कुशल सर्जन्स की बदौलत लिवर ट्रांसप्लांट सफल परिणाम दे रहा है. इससे घबराने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि यह एक सुरक्षित व सफल इलाज है, अपने सर्जन की सलाह पर इसे ज़रूर करवाएं. सिर्फ लिवर ट्रांसप्लांट के प्रोसीजर की यदि बात करें तो मरीज़ व उसके डोनर को किसी प्रकार का अतिरिक्त जोखिम नहीं होता, और वे पहले की तरह सामान्य ज़िन्दगी जी सकते हैं. मनोज जी को वापस सामान्य ज़िंदगी में लौटते देखकर हमें बेहद ख़ुशी हो रही है, हम मनोज जी व उनकी भाभी व डोनर श्रीमति रंजना जी को स्वस्थ जीवन की शुभकामना देते हैं. सनर इंटरनेशनल हॉसपिटल्स में हमारी यही कोशिश है कि हरेक मरीज़ को आधुनिक व सफल इलाज उपलब्ध हो।